संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -260 रविवार ,21 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का इक्कीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

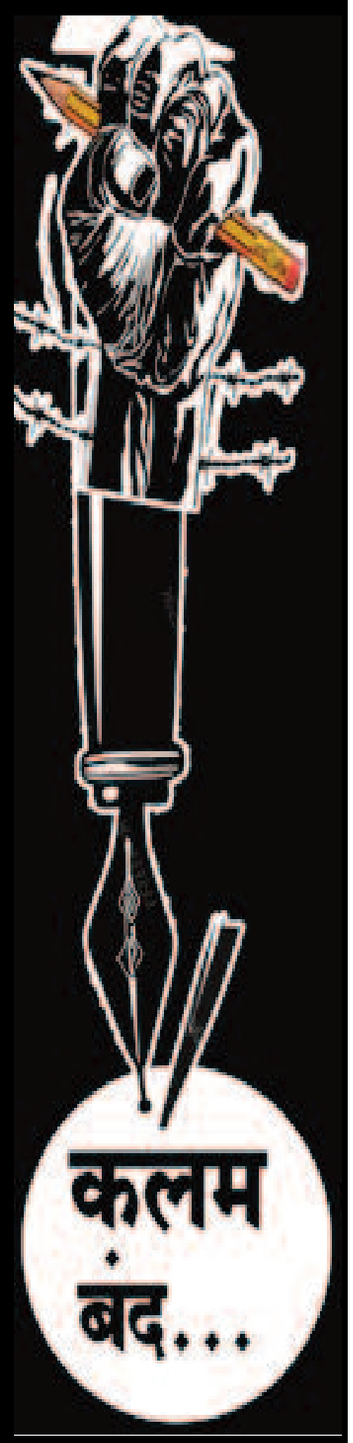

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का इक्कीसवां दिन

?

कलम बंद...का इक्कीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,20 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,20 जुलाई 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

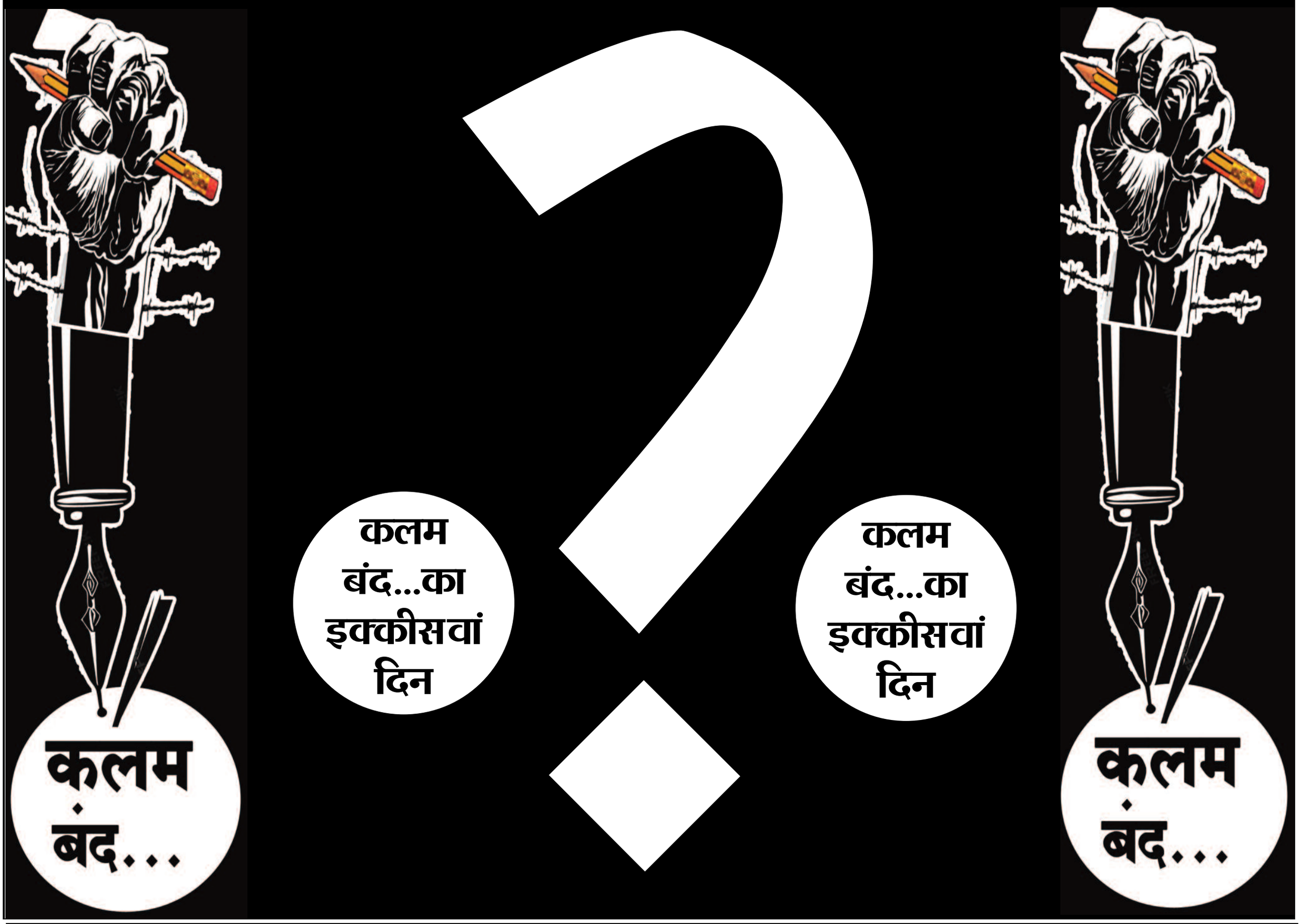

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 20 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

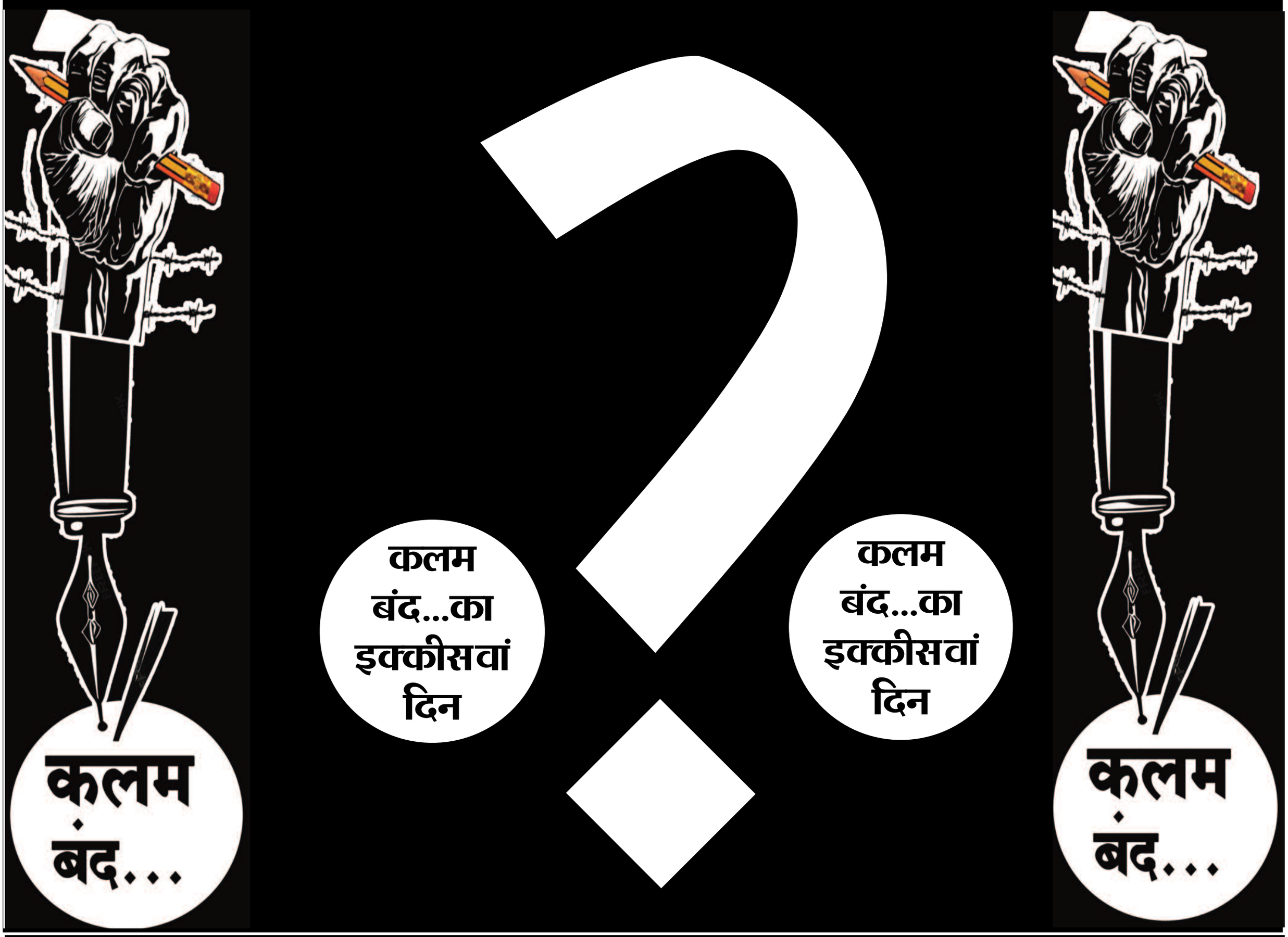

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

भारत को ईशा से गोल्ड की उम्मीद

नई दिल्ली,20 जुलाई 2024। भारत की युवा शूटर ईशा सिंह आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही हैं। ओलंपिक 2024 के लिए वह 21 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम का हिस्सा हैं। हैदराबाद की 19 वर्षीय ईशा के लिए यह पहला ओलंपिक होने जा रहा है। वह अभी निशानेबाजी में काफी युवा खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन फिर भी उनके पास कई मेडल हैं। ईशा का ओलंपिक के लिए भी यही दर्शन है कि वह सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना चाहती हैं, किसी और चीज पर नहीं। अपने पहले ओलंपिक से अपनी उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर ईशा ने कहा कि मैं वहां जाकर अपनी तकनीक पर अमल करना चाहती हूं। मुझे अपना खेल खेलना है। मैं इस मानसिकता के साथ वहां नहीं जाना चाहती कि मुझे किसी को हराना है। मैं सिर्फ अपना खेल खेलना चाहती हूं, अपने आप पर ध्यान देना चाहती हूं और ओलंपिक को अपने दिमाग में बहुत बड़ी चीज नहीं बनाना चाहती। बस इसे एक और प्रतियोगिता की तरह लेना है।

चांग्ते और इंदुमति को एआईएफएफ का शीर्ष पुरस्कार मिला

» लाहलानसांगा सबसे होनहार खिलाड़ी बने

नई दिल्ली,20 जुलाई 2024। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारत और मुंबई सिटी एफसी के विंगर लालियानजुआला चांग्ते सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष फुटबॉलर और राष्ट्रीय महिला टीम की मिडफील्डर इंदुमति कथिरेसन को सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला फुटबॉलर अवॉर्ड से नवाजा। दोनों ने पिछले एक साल में फील्ड पर शानदार खेल दिखाया है। चांग्ते को भविष्य का सुपरस्टार भी माना जा रहा है। राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ द्वारा आयोजित एक समारोह के दौरान दोनों खिलाड़ियों को ये पुरस्कार दिया गया। लालियानजुआला चांग्ते ने हाल में में मुंबई सिटी एफसी के साथ 2026/27 सत्र के अंत तक अपना अनुबंध बढ़ा लिया है।

भारत की महिला टीम ने भी पाकिस्तान को धो डाला

एकतरफा अंदाज में जीता मैच

नई दिल्ली,20 जुलाई 2024। भारत की महिला टीम और पाकिस्तान की महिला टीम के बीच महिलाओं के एशिया कप का मुकाबला खेला गया। इस मैच में भारतीय महिला टीम ने बड़ी आसानी के साथ अपने नाम कर लिया। भारत की जीत में गेंदबाजों का रोल काफी अहम रहा। भारत ने यह मुकाबला 7 विकेट से जीता। टीम इंडिया ने एशिया कप की शुरुआत काफी शानदार अंदाज में की है। भारत को इस मुकाबले में जीत के लिए पाकिस्तान ने 109 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसे टीम इंडिया ने सिर्फ तीन विकेट खोकर बड़ी आसानी के साथ चेज कर लिया।

कैसा रहा मैच का हाल

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए इस मुकाबले के बारे में बात करें तो इस मैच में पाकिस्तान की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में 108 रन बनाए और उनकी टीम ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए यह मैच काफी मुश्किलों से भरा रहा। भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को इस मैच काफी परेशान किया। पाकिस्तान की ओर से आमीन ने 25 रन, तूबा हसन ने 22 रन और फातिमा सना ने 22 रनों की पारी खेली। इन तीनों के अलावा कोई भी अन्य बैटर टीम के लिए कुछ खास नहीं कर सकी।

मैच की पहली पारी के दौरान भारतीय गेंदबाजों का कहर पूरी तरह से नजर आया। उन्होंने पाकिस्तान को काफी मुश्किल से 100 रन के आंकड़े को भी पार करने दिया। इस दौरान दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट झटके। वहीं रेणुका, पूजा और श्रेयंका को दो-दो विकेट मिले। इन गेंदबाजों के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाजी काफी कमजोर नजर आई। दीप्ति शर्मा को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। पाकिस्तान को यहां से जीतने के लिए अब सिर्फ अच्छी गेंदबाजी की जरूरत थी, लेकिन उनकी टीम ने गेंदबाजी ने भी निराश किया।

भारत ने आसानी से चेज किया टारगेट

पाकिस्तान के खिलाफ 109 रनों का पीछा कर रही टीम ने इस मुकाबले में काफी शानदार शुरुआत की और भारत के सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा ने इस मुकाबले में पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। भारत ने यहां तक मैच लगभग अपने नाम कर लिया था, लेकिन स्मृति मंधाना 45 और शैफाली वर्मा 40 रन बनाकर आउट हो गई, लेकिन टीम इंडिया ने 14.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 109 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया।

पीसीबी के फैसले से लगा बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को झटका

» इस लीग में खेलने के लिए नहीं मिली एनओसी...

करांची,20 जुलाई 2024। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कुछ दिन पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह को द हंड्रेड लीग में हिस्सा लेने के लिए एनओसी देने से मना कर दिया था। वहीं अब उन्होंने आगामी ग्लोबल टी20 लीग में भी कुछ इसी तरह का फैसला कप्तान बाबर आजम, शाहीन अफरीदी सहित अन्य खिलाड़ियों को लेकर किया है। पीसीबी ने इन सभी प्लेयर्स के अनुरोध को ठुकराते हुए एनओसी देने से साफतौर पर मना कर दिया।

व्यस्त इंटरनेशनल शेड्यूल को पीसीबी ने बताया कारण

पीसीबी की तरफ से मीडिया को जारी किए गए एक बयान में बताया गया कि तीन खिलाड़ियों के साथ और नेशनल चयन समिति से चर्चा करने के बाद उन्होंने एनओसी नहीं देने का फैसला किया है। पीसीबी जानकारी दी कि उन्हें बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी के अलावा अन्य प्लेयर्स की तरफ से एनओसी मांगे जाने की रिक्वेस्ट मिली थी जिससे वह ग्लोबल टी20 लीग में खेल सके। हमने पाकिस्तानी टीम के व्यस्त आगामी इंटरनेशनल शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए जो अगस्त 2024 से लेकर मार्च 2025 तक है उसे ध्यान में रखते हुए उन्हें एनओसी देने से इनकार कर दिया। पाकिस्तानी टीम को इस शेड्यूल में 9 टेस्ट मैच खेलने है और इसके अलावा अगले साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी भी खेली जानी है।

9 टेस्ट के अलावा पाकिस्तानी टीम को 14 वनडे और 9 टी 20 भी हैं खेलने

पाकिस्तानी टीम को 9 टेस्ट मैच के अलावा 14 वनडे और 9 टी20 मैच अगले साल मार्च तक खेलने हैं और इन सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए पीसीबी ने तीनों फॉर्मेट में खेलने वाले प्लेयर्स के वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए अपने इस फैसले के पीछे का कारण बताया है। पाकिस्तान को घर पर बांग्लादेश के खिलाफ 21 अगस्त से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और इसके बाद उन्हें इंग्लैंड की भी मेजबानी करनी है। वहीं पीसीबी ने सिर्फ लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में खेलने वाले मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, इफ्तिखार अहमद और आसिफ अली को ग्लोबल टी20 लीग में हिस्सा लेने के लिए एनओसी दे दी है।

ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए हॉकी खिलाड़ी ने अपनी उंगली का एक हिस्सा कटवाया

मेलबर्न,20 जुलाई 2024। खेलों के प्रति खिलाड़ियों का जुनून कभी-कभी फैंस के साथ सभी को हैरानी में डाल देता है जिसमें इस बार ऐसा ही कुछ पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया की पुरुष हॉकी टीम के सदस्य मैथ्यू डॉसन ने अपने एक कदम से किया है। उन्होंने खेलों के महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए अपनी उंगली के एक हिस्से को ही कटवा दिया। दरअसल डॉसन के खेलने पर उस समय संशय की स्थिति बन गई थी जब उनके दाहिने हाथ की अनामिका उंगली टूट गई थी।

उंगली ठीक होने में लगता 2 हफ्तों का समय, डॉसन ने लिया कटवाने का फैसला

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष हॉकी टीम के 30 साल के खिलाड़ी मैथ्यू डॉसन जो तीसरी बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने जा रहे हैं उन्होंने अनामिका उंगली के टूट जाने के बाद कई डॉक्टरों से परामर्श लिए जिसमें सभी ने उन्हें इसे ठीक होने में लगभग 2 हफ्तों का समय बताया था। इससे डॉसन का पेरिस ओलंपिक में खेलने मुश्किल लग रहा था। ऐसे में डॉसन ने उंगली को कटवाने का फैसला लिया। टोक्यो ओलंपिक सिल्वर मेडल टीम के सदस्य डॉसन को अपनी उंगली को प्लास्टर में करने या फिर उसे ठीक होने देने या अलग करने का विकल्प चुनना था, जिसमें डॉसन ने सर्जरी कराने का फैसला लिया।मैथ्यू डॉसन ने सर्जरी के बाद ऑस्ट्रेलियाई चैनल सेवन को दिए अपने इंटरव्यू में कि मैंने उस समय प्लास्टिक सर्जन के साथ मिलकर न केवल पेरिस में खेलने के लिए, बल्कि उसके बाद के जीवन के लिए भी निर्णय लिया। मेरे लिए सबसे अच्छा विकल्प यह था कि मैं अपनी उंगली के ऊपरी हिस्से को काट दूं। ये मेरे लिए किसी चुनौती से कम नहीं था।

पेरिस ओलंपिक के लिए ऑस्ट्रेलिया की पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर: एंड्रयू चार्टर।
डिफेंडर: जोशुआ बेल्ट्ज, मैथ्यू डॉसन, जेक हार्वी, जेरेमी हेवर्ड, एडवर्ड ओकेनडेन, कोरी वीयर।
मिडफील्डर: फ्लिन ओग्लिवी, लैचलन शार्प, जैकब वेट्टन, एरन जालेव्स्की (कप्तान)।
फॉरवर्ड/स्ट्राइकर: टिम ब्रांड, थॉमस क्रेग, ब्लेक ग्लोवर्स, टॉम विकम, के विलोट।
रिजर्व: जोहान डर्स्ट, नाथन एफ्राम्स, टिम हॉवर्ड।

भारत का 117 खिलाड़ियों का दल पेरिस ओलम्पिक में भाग लेने पहुंचा

पेरिस,20 जुलाई 2024। खेलों के महाकुंभ ओलंपिक का आयोजन इस बार फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक किया जाएगा। जिसमें इवेंट्स की शुरुआत 24 जुलाई से हो जाएगी तो वहीं ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन 26 जुलाई को किया जाएगा। टोक्यो ओलंपिक के मुकाबले इस बार भारत का दल थोड़ा कम है जिसमें 117 एथलीट्स को इस महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए भेजा गया है। इसमें सबसे बड़ा दल एथीलट्स के इवेंट्स में हिस्सा लेने वाले 29 खिलाड़ियों का शामिल है, जिसके अगुवाई टोक्यो ओलंपिक में जेवलिन थ्रो इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा करेंगे। ओलंपिक के इतिहास में ये भारत का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा दल है।भारत की तरफ से पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुए 117 एथलीट्स के दल में 70 पुरुष और 47 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। ट्रैक एंड फील्ड इवेंट के बाद शूटिंग के इवेंट्स में भारत के सबसे ज्यादा खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है जिसमें कुल 21 एथलीट शामिल हैं। वहीं वेटलिफ्टिंग के इवेंट में सिर्फ मीराबाई चानू ने क्वालीफाई किया है जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल को अपने नाम किया था। एथीलट्स के अलावा 67 कोच और 72 सपोर्ट स्टाफ का दल भी पेरिस ओलंपिक एथलीटों की मदद के लिए गया है।

उम्र में 10 साल बड़ी श्वेता तिवारी को डेट कर रहे एक्टर फहमान खान?

टीवी शो इमली स्टार बने फहमान खान ने सीरियल क्या कसूर है अमला का में सपोर्टिंग रोल से करियर शुरू किया था। इसके बाद वह अपना टाइम भी आएगा और मेरे डैड की दुल्हन जैसे शोज में नजर आए। लगभग हर शो की हीरोइन के साथ फहमान खान का नाम जुड़ा, चाहे वह सुम्बुल तौकीर खान हों या फिर श्वेता तिवारी। जी हां, फहमान का नाम मेरे डैड की दुल्हन को-स्टार श्वेता तिवारी के साथ भी जोड़ा जाता रहा है। हाल ही फहमान ने एक्ट्रेस संग अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ी और यह भी बताया कि उन्होंने क्यों कभी किसी को-स्टार को डेट नहीं किया। फहमान खान को करियर में पहला बड़ा ब्रेक टीवी शो मेरे डैड की दुल्हन से ही मिला था। शो में उनके साथ श्वेता तिवारी थीं, जो उस वक्त तलाक के बुरे दौर से गुजर रही थीं। तभी फहमान खान और श्वेता तिवारी का नाम साथ में जोड़ा जाने लगा था।

श्वेता तिवारी संग अफेयर की खबरों पर बोले फहमान खान

श्वेता संग अफेयर की खबरों पर फहमान खान ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में कहा, मेरे हर शो में अफवाह उड़ती है यार। मैं तो उनको (श्वेता तिवारी) गुरु जी बुलाता था और वह मुझे सखी कहती थीं क्योंकि मैं उस शो में उनका विश्वासपात्र था। वह जो भी महसूस करती थीं, उस बारे में मुझसे बात करती थी। हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता था।

हमारा रिश्ता अच्छा था, कुछ नहीं है तो छुपाने की जरूरत नहीं

फहमान खान से जब पूछा गया कि क्या उस दौरान वह श्वेता तिवारी को उनके तलाक की वजह से नजरअंदाज करने की कोशिश कर रहे थे, तो बोले, हम जानते हैं कि हम किस तरहे जुड़े हुए थे, हमारी कैसे पटती गई और हमारा रिश्ता कैसा था। अगर छुपाने को कुछ होता तो दिक्कत हो जाती। जब आप वास्तव में किसी रिश्ते में होते हैं और लोग नोटिस करते हैं, तो आप थोड़ा सचेत हो जाते हैं कि शायद लोगों को पता चल जाए, लेकिन अगर कुछ नहीं है, तो आपको सचेत होने की जरूरत नहीं है।

लॉकडाउन में श्वेता तिवारी से मिलने गए थे फहमान खान

फहमान खान ने बताया कि श्वेता तिवारी संग अफेयर की खबरों को तब बल मिला, जब वह लॉकडाउन के दौरान एक्ट्रेस से मिलने उनके घर गए थे। उन्होंने बताया, मैं कोविड में उनसे बिल्डिंग के नीचे मिला था। किसी ने अफवाह फैलाई कि आप कोविड के टाइम पे जाकर मिल रहे हो। इसका एक ही मतलब हो सकता है...।

फहमान ने बताया क्यों को-स्टार को नहीं करते डेट

फहमान ने यह भी बताया कि उन्होंने आज तक किसी को-स्टार को डेट नहीं किया है। इसकी वजह बताते हुए कहा, मेरी निजी जिंदगी बहुत अलग है। मेरा मानना है कि मैं जहां काम कर रहा हूं, मैं अपना काम बर्बाद नहीं करना चाहता। मुझे लगता है कि अगर आप वहां रिश्ता बनाते हैं, तो आखिरकार यह आपके काम को प्रभावित करेगा। इसलिए, मैंने कभी उन लोगों को डेट नहीं किया, जिनके साथ मैंने काम किया।

अर्जुन कपूर को चुभ रही है मलाइका अरोड़ा से दूरी?

ब्रेकअप के बीच फिर किया क्रिप्टिक पोस्ट, फिर दिखी टीस

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के बीच ब्रेकअप की खबरें लगातार चर्चा में है। कपल कई मौकों पर पहले जहां साथ नजर आता था। वहीं, अब ये अलग-अलग दिखाई देने लगे हैं। हाल ही में जहां एक्टर अंबानी का शादी में नजर आए। वहीं, एक्ट्रेस वेकेशन पर थीं। वहां, से वह तस्वीरें पोस्ट कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक मिस्ट्री मैन के साथ भी फोटो शेयर की थी। हालांकि दोनों ने कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है कि उनका ब्रेकअप हुआ है। बस सोशल मीडिया के पोस्ट के जरिए ही कयास लगाए जा रहे हैं। अब एक्टर ने एक बार फिर से इंस्टा पोस्ट करके सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि वह एक्ट्रेस से दूरी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें उनकी कमी खल रही है। वह उन्हें याद कर रहे हैं।अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक नोट शेयर किया है। इसमें लिखा था, पॉजिटिव रहने का मतलब ये नहीं कि चीजें ठीक हो जाएंगी। बल्कि इसका मतलब ये है कि आप ठीक रहेंगे, चाहे चीजें कैसे भी हों। इससे पहले एक्टर ने जून महीने में भी ऐसा ही कुछ नोट पोस्ट किया था। जिसमें लिखा था, जीवन में हमारे पास दो ऑप्शन होते हैं। या तो हम अपने अतीत में ही खो जाएं या फिर भविष्य के बारे में सोचें और आगे बढ़ें।

मलाइका ने भी किया था क्रिप्टिक पोस्ट

वहीं, कुछ समय पहले मलाइका ने भी एक ऐसा ही पोस्ट किया था। उसमें लिखा था, %जब वो कहते हैं कि आप ऐसा नहीं कर सकते, तो उसे दो बार और करें और उसकी फोटो ले लें। वहीं, दूसरे पोस्ट में लिखा था, पृथ्वी का सबसे बड़ा खजाना वो लोग हैं, जो हमें प्यार करते हैं। हमारा सपोर्ट करते हैं। उन्हें खरीदा या बदला नहीं जा सकता। और ये खजाना हममें से कुछ के पास ही है। पिंकविला ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि कुछ महीने पहले ही दोनों अलग हो गए थे। सूत्र ने कहा, मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बहुत खास था और दोनों एक-दूसरे के दिलों में खास जगह बनाए रखेंगे। उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस मामले में सम्मानजनक चुप्पी बनाए रखेंगे। वो किसी को भी अपने रिश्ते पर टीका-टिप्पणी करने की इजाजत नहीं देंगे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवनाथ सिंह आ0टेकनाथ सिंह जाति मझवार निवासी ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 179/8 रकबा 0.382 में से रकबा 0.008 हे0 भूमि को अनावेदक अमरनाथ बड़ा पिता अमृजुयुस बड़ा जाति उरांव निवासी हॉलीक्रास स्कूल के पास पटपरिया अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 2,40,000/- में बिक्री का सौदा तय कर भूमि विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी रा0 अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है,जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 16.08.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवनाथ सिंह आ0टेकनाथ सिंह जाति मझवार निवासी ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 179/8 रकबा 0.382 में से रकबा 0.060 हे0 भूमि को अनावेदक निर्मला कुजूर पति आलोक कु जूर जाति उरांव निवासी ग्राम चंदाडिप्पा तहसील बगीचा जिला जशपुर छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 11,00,000/- में बिक्री का सौदा तय कर भूमि विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी रा0 अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है,जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 16.08.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

खुला पत्र

आखिर क्यों अखबार के शासकीय विज्ञापन पर लगा रोक...

क्या छप रही कमियों को रोकने का है प्रयास?

» क्या सही और गलत में फर्क नहीं रहा जिस वजह से राजनीति लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए बन रही खतरा?

-रवि सिंह-

कोरिया,20 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।

राजनीति के बदलते परिवेश में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का स्थान खत्म होता दिख रहा है इसकी वजह सिर्फ है सत्ता का दुरुपयोग। आजादी से लेकर आज तक कई बार सत्ता परिवर्तन देखने को मिला जिसमें लोकतंत्र के चौथे स्तंभ जो कि पत्रकारिता है जिसकी भूमिका अहम रही है। पत्रकारिता का उद्देश्य हमेशा ही लोकतंत्र को संतुलित करने का होता रहा है यही वजह थी कि पत्रकारिता में सिर्फ कमियों का प्रकाशन हुआ करता था ना कि पत्रकार कोई कार्यवाही करता था लेकिन पत्रकार के बताए गए कमियों पर संज्ञान जरूर लिया जाता था।

आज के परिवेश में कमियों को दिखाने वाले पत्रकारों व संपादकों की अब खैर नहीं रही जबकि कमी दिखाने पर कभी कलेक्टर नाराज तो कभी एसपी नाराज और तो और कभी सत्ता दल के विधायक व मंत्री नाराज होते है। वजह सिर्फ उनकी कमियों को खबरों के माध्यम से उनके सामने रखने मात्र से पत्रकार संपादक व अखबार के प्रति उनकी नाराजगी और द्वेष की भावना पनप रही है। इसके पीछे की एक मुख्य वजह यह भी है कि इनका कच्चे आँख कान का होना क्योंकि यह आँख कान के कितने कच्चे हो चुके हैं कि इन्हें इनकी कमियां दिखाने व बताने पर इनके लोग ही उन्हें उनकी कमियां देखने नहीं देते उन्हें सिर्फ पत्रकारों के प्रति भड़काते हैं। उन्हें यह बताते हैं कि आप तो कुछ भी कर सकते हैं, आप पत्रकार पर अपराध भी पंजीकृत करा सकते हैं,पत्रकार को जेल भी भिजवा सकते हैं,आर्थिक नुकसान के लिए अखबार का सरकारी विज्ञापन रोक सकते है ये सब कुछ आपके हाथ में है। आप क्यों यह सब नहीं करते कुछ ऐसा ही प्रचलन इस समय देखने को और सुनने को मिल रहा है। सरकार किसी भी पार्टी की बने, उदाहरण के तौर पर कई है जो किसी से छुपा नहीं है। कमियों को ना तो बड़े अधिकारी पचा पा रहे हैं.और ना ही सत्ता पक्ष के विधायक व मंत्री बचा पा रहे हैं.और कमी में सुधार लाने के बजाए कमियों का पहाड़ खड़ा कर रहे हैं.जो कहीं ना कहीं इन्हें आगामी चुनाव में नुकसान ही पहुंचाएगा। जो कि बीते लोकसभा में इसका नुकसान देखने को भी मिला और आगे भी नुकसान उठाना पड़ेगा। ब्यूरोक्रेसी में शासन भी जनप्रतिनिधियों का गुलाम बना हुआ है जनप्रतिनिधि जैसा कहेंगे प्रशासन,शासन-व्यवस्था वैसा चलेगा सही गलत का फैसला लेने का अधिकार उनके पास भी नहीं रहा। अब सारे अधिकार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के हाथ में आ गया है। यही वजह है कि उनके मनमानी जनता का आशीर्वाद मिलते ही बढ़ जाता है, जनता भी मतदान के समय अपना महत्वपूर्ण मत देकर एक मजबूत लोकतंत्र की कल्पना करती है पर वह मजबूत लोकतंत्र जनता के लिए 5 साल के लिए सबक बन जाता है। इस समय हम मौजूदा भाजपा की बनी छत्तीसगढ़ सरकार की बात कर रहे हैं जिसके मंत्री उनकी कमियों की खबर प्रकाशित होने से घबरा गए और घबराहट में अखबार पर दबाव बनाने का एक नया तरीका निकाल लिया। वह तरीका है शासकीय विज्ञापन रोककर आर्थिक क्षति देने का...लगातार एक मंत्री जी की खबर उनकी कमियों के प्रकाशित हो रही जिसके बाद मंत्री जी के मौखिक आदेश पर तुगलकी फरमान जारी हो गया।.वह फरमान था जनसंपर्क विभाग के संचनालय आयुक्त का वह भी मौखिक...जिसमें दैनिक घटती-घटना का बिना कोई नोटिस जारी किए शासकीय विज्ञापन रोका गया। ताकि कमियों की खबर प्रकाशित न हो सके, या फिर ना की जाए...? इसके विरूद्ध कलमबंद अभियान की शुरूआत हो गयी है, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान की शुरुआत हुई जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए काला दिवस जैसा होगा है?

क्या चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है?

ये बात बिल्कुल सही है कि मीडिया देश की ज़रुरत है, बिना इसके हम स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं। संपादक,मालिक और पत्रकार,सभी एक ढर्रे पर चल रहे हैं, सभी बदलाव की बात करते हैं,मगर कोई बदलना ही नहीं चाहता है। देश का स्वघोषित चौथा स्तंभ डगमगा रहा है। अपने विचारों से,अपने कर्तव्यों से बचा लो,अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि पहले के तीन स्तंभ भी चौथे स्तंभ के लिए गंभीर नहीं है। उन्हें लगता है कि चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है? हम सब इस देश के आम नागरिक हैं मैंने कभी सोचा नहीं था कि मेरी पत्रकारिता क्षेत्र में कभी रुचि होगी पर अचानक समय के साथ रुचि बढ़ी और लोगों के लिए उनकी आवाज बनना अच्छा लगने लगा पर नहीं पता था कि उनकी आवाज बनना खुद के लिए कठिन हो जाएगा। आवाज भले ही हम दूसरे की बन रहे हैं पर समस्या खुद के लिए खड़ी हो रही है? क्योंकि जिनके लिए आवाज बन रहा हूं वह उस आवाज को बचाने के लिए प्रयत्न नहीं कर रहे हैं,पत्रकारिता की कोई पढ़ाई नहीं की पर काम करते-करते अनुभव होता गया,पत्रकारिता क्या है उसका उद्देश्य क्या है यह काम करते-करते ही समझ आया और यह भी समझ आया की चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है? और यह भी समझ आया की पत्रकारिता करना कठिन है।

अख़बार और सरकार में से किसी एक को चुनना है,तो मैं बिना हिचके यही कहूंगा सरकार चाहे न हो, लेकिन अख़बारों का अस्तित्व अवश्य रहे:थॉमस जेफरसन

140 करोड़ की आबादी होने के कारण देश में कई समस्याएं हैं, जो कुंडली मार कर बैठी हुई हैं। इन सबसे निपटने के लिए सरकार प्रयास कर रही होगी। हम एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं, जहां हम अपनी पसंद की सरकार चुनते हैं। सरकार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की मदद से जनता के बीच में काम करती है,इन्हें देश का आधारभूत खंभा भी कहते हैं,हालांकि, समाज में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है, वह जनता और सरकार के बीच एक पुलिया का काम करती है, इस कारण मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी कहा जाता है। समाज में मीडिया की भूमिका पर बात करने से पहले हमें यह जानना चाहिए कि मीडिया क्या है? मीडिया हमारे चारों ओर मौजूद है, जो टी.वी. शो हम देखते हैं,संगीत जो हम रेडियो पर सुनते हैं,पत्र एवं पत्रिकाएं जो हम रोज पढ़ते हैं, यह हमारे चारों ओर यह मौजूद होता है, तो निश्चित सी बात है इसका प्रभाव भी समाज के ऊपर पड़ेगा ही, लोकतंत्र के चार स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता हैं, स्वाभाविक-सी बात है कि जिस सिंहासन के चार पायों में से एक भी पाया ख़राब हो जाये, तो वह अपनी आन-बान-शान गंवा देता है, मीडिया की महत्ता को समझाते हुए अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन ने कहा था, यदि मुझे कभी यह निश्चित करने के लिए कहा गया कि अख़बार और सरकार में से किसी एक को चुनना है, तो मैं बिना हिचक यही कहूंगा कि सरकार चाहे न हो, लेकिन अख़बारों का अस्तित्व अवश्य रहे।

मीडिया का काम एक निगरानीकर्ता की तरह होता है

देश में सभी परियोजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम कार्यपालिका का होता है, विधायिका का काम जनता के लिए उन योजनाओं का बनाना होता है, देश में कानून-व्यवस्था और एक स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण के लिए न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मीडिया का काम एक निगरानी की तरह होता है, कहीं भी गड़बड़ी होती है,उसे तुरंत प्रकाश में लाता है मीडिया। कभी-कभी न्याय पालिका भी सरकार के कामों पर कमेंट या सवाल उठाती है, जिसे न्यायिक सक्रियता कहते हैं,विधायिका और कार्यपालिका तो एक-दूसरे के पूरक होते ही हैं, मीडिया और सरकार के बीच के रिश्ते हमेशा अच्छे नहीं हो सकते, क्योंकि मीडिया का काम ही है सरकारी कामकाज पर नज़र रखना,लेकिन वह सरकार को लोगों की समस्याओं, उनकी भावनाओं और उनकी मांगों से भी अवगत कराने का काम करता है और यह मौक़ा उपलब्ध कराता है कि सरकार जनभावनाओं के अनुरूप काम करे!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

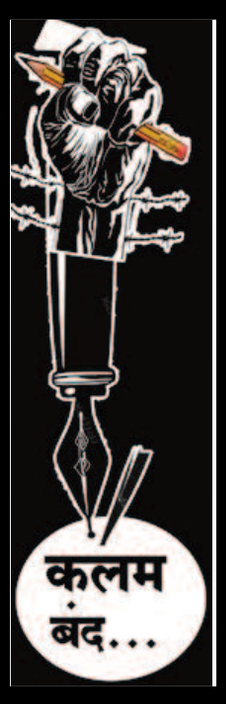

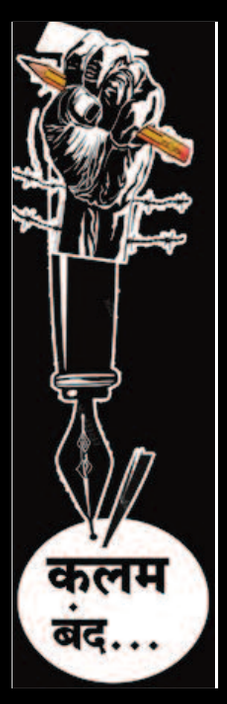

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या? इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...? क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)